

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

G

Sr. No. of Question Paper : 857

Unique Paper Code : 2322102301

Name of the Paper : Ancient and Medieval Indian
Political Thought

Name of the Course : B.A. (Prog.) Political Science
DSC

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. (प्रोग्राम) राजनीति विज्ञान

Semester/Annual : III

सेमेस्टर/वार्षिक

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt Any Five questions.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Discuss the main sources and characteristics of Ancient and Medieval Indian Political Thought.

प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के मुख्य स्रोतों एवं विशेषताओं की चर्चा करें।

2. Critically analyse the Hindu social laws as propounded by Manu in Manusmriti.

मनुस्मृति में मनु द्वारा प्रतिपादित हिंदू सामाजिक कानूनों का आलोचनात्मक विश्लेषण करें।

3. Examine the Pre-Kautilyan theory of kinship and statecraft with special reference to Sukraniti.

शुक्रनीति के विशेष संदर्भ में राजसत्ता और शासन कला के पूर्व-कौटिलियन सिद्धांत का परीक्षण करें।

4. Elucidate on Kautilya's Mandala theory. Do you think it is relevant in contemporary India. Give reasons for your answer.

कौटिल्य के मंडल सिद्धांत पर प्रकाश डालें। क्या आपको लगता है कि यह समकालीन भारत में प्रासंगिक है? अपने उत्तर के कारण बताएं।

5. Elaborate the theory of kinship as described by Aggannasutta in Dighanikaya.

दिघ्निकाय में अगगन्नासुत्त द्वारा वर्णित राजसत्ता के सिद्धांत की विस्तार से चर्चा करें।

6. Examine the contribution and relevance of Thiruvalluar in ancient Indian Political thought.

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में तिरुवल्लुअर के योगदान और प्रासंगिकता का परीक्षण करें।

7. Discuss the contribution and significance of Basavanna in ancient Indian Political Thought.

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में बसवन्ना के योगदान और महत्व पर चर्चा करें।

8. Analyze the element of sovereignty in Abul Fazl's Ain-e-Akbari. Does it support the divine theory of 'Badshahat'? Elaborate your response.

अबुल फज़ल की आईन-ए-अकबरी में संप्रभुता के तत्व का विश्लेषण करें। क्या यह 'बादशाहत' के दैवीय सिद्धांत का समर्थन करता है? अपना प्रत्युत्तर विस्तार से दीजिए।

9. Illustrate the origin and growth of syncretic tradition in India. How have Kabir and Guru Nanak contributed towards the strengthening of the tradition?

भारत में समन्वयवादी परंपरा की उत्पत्ति और विकास का वर्णन करें। कबीर और गुरु नानक ने इस परंपरा को मजबूत करने में किस प्रकार योगदान दिया है?

10. Discuss the main propositions of Advaita philosophy of Shankaracharya.

शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन के प्रमुख प्रस्तावों की चर्चा करें।